UNIQUE IAS STUDY CIRCLE
INDIA'S PREMIER INSTITUTE
AN ISO 9001:2015 CERTIFIED INSTITUTE
B-5, IV FLOOR, PLATIUM PLAZA BHOPAL (M.P), PIN – 462003
PH N0 – 0755- 4055002, MOBILE NO- 9827239801
WEBSITE- www.uniqueias.org

मुख्य मॉड्यूल और टेस्ट पेपर के लिए फ्लो चार्ट

Online/Offline New Batches for IAS/MPPSC

सामान्य अध्ययन -1 (पेपर- II)

GENERAL STUDIES -1(PAPER-II)

अध्याय-8 CHAPTER 8-भारतीय समाजपरवैश्वीकरण के प्रभाव(Effects of Globalization on Indian Society)-भारतीय समाजपरवैश्वीकरण के प्रभाव,भारतीय समाजपरवैश्वीकरण के प्रभाव : मुद्देतथाचुनौतियां,भारतीय संस्कृति पर प्रभाव,पारिवारिक संरचना, विवाह मान, व्यभिचार,सामाजिक मूल्य,खाद्य, वस्त्र और बोली, रोजगार और कृषि क्षेत्र... आदि।

अध्याय- 9 CHAPTER 9-सामाजिक सशक्तिकरण, साम्प्रदायिकता, क्षेत्रीयता एवं धर्मनिरपेक्षता(Social Empowerment,Communalism,Regionalism & Secularism) -सामाजिक सशक्तिकरण, साम्प्रदायिकता, क्षेत्रीयता एवं धर्मनिरपेक्षता,भारत में साम्प्रदायिकता के बढ़ने के पीछे निम्नलिखित कारक ज़िम्मेदार हैं,उपाय,आन्दोलन एवं समूह,सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं,भारत में क्षेत्रीयता,क्षेत्रीय असमानता अभी भी क्यों बनी हुई है?,भारत में क्षेत्रवाद का प्रभाव,धर्मनिरपेक्षता, इतिहास, धार्मिक कानून,छद्म धर्मनिरपेक्षता,... आदि।

अध्याय-5 CHAPTER5 -विश्वइतिहास(World history –The Industrial Revolution)- प्रमुख तकनीकी विकास,धातुकर्म,खनन, वाष्प शक्ति, रसायन, सोडियम कार्बोनेट, मशीनऔजार, गैस के माध्यम से प्रकाशव्यवस्था,काँचबनाना, कागजतैयारकरनेवालीमशीन,कृषि, परिवहन, नहरें, सड़कें,रेलवे, IR का सामाजिक प्रभाव, जीने के स्तर,खाद्य और पोषण,आवास, कपड़े और उपभोक्ता सामान, जनसंख्या वृद्धि, श्रम की स्थिति, कारखानों और शहरीकरण, बाल श्रमिक, लुडाइट्स, श्रम का संगठन,पूंजीवाद,ब्रिटेन में आईआर के कारण,भौगोलिक और प्राकृतिक संसाधन, प्रोटेस्टेंट काम नैतिक, प्रथम विश्व युद्ध (WW -I),युद्ध के कारण, प्रथम विश्व युद्ध में रासायनिक हथियार, वर्साय की संधि,सेंट जर्मेन की संधि- 10 सितंबर 1919, ट्रायोन की संधि,न्यूली की संधि,सेवों की संधि- 10 अगस्त 1920,देशों की लीग,प्रथम विश्व युद्ध के प्रभाव,जापान और प्रथम विश्व युद्ध,WW - II,द्वितीय विश्व युद्ध की विचारधारा के कारण, सिद्धांतों, और दर्शन, विस्तारवाद (साम्राज्यवाद),फ़ैसिस्टवाद, सैनिक शासन, राष्ट्रवाद, जातिवाद, वर्साय की संधि के साथ समस्याएं,राष्ट्र संघ के साथ समस्याएं,अधिक अवसाद,नाजी तानाशाही, 1939 की घटनाएँ,1940 की घटनाएँ, 1941 की घटनाएँ,जापान ww2 में प्रवेश कर रहा है, 1942 की घटनाएँ,1943 की घटनाएँ, 1944 की घटनाएँ,डी-डे, 6 June 1944- (कोडनाम ऑपरेशन 'अधिपति'),1945 की घटनाएँ,द्वितीय विश्व युद्ध के प्रभाव, गैर-यूरोपीय विश्व पर युद्ध के प्रभाव क्या थे,युद्ध का विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर क्या प्रभाव पड़ा, राजनीतिक परिवर्तन, साम्यवाद - मार्क्सवादी साम्यवाद,मार्क्स का भौतिकवादी सिद्धांत, पूंजीवाद की आलोचना,पूंजीवाद का क्रांतिकारी उखाड़ फेंकना, मार्क्स के बाद साम्यवाद, संशोधनवाद,बोल्शेविज्म: लेनिन का क्रांतिकारी साम्यवाद, रूसी क्रांति आर्थिक कारण,राजनीतिक कारण, सामाजिक कारण, अक्टूबर क्रांति,रूसी क्रांति, फ्रांसीसी और रूसी क्रांतियों के प्रभाव,चीनी साम्यवाद, गैर-मार्क्सवादी साम्यवाद,प्रचंड पथ, होक्सिज्म, टिटोवाद,Juche, यूरो साम्यवाद, साम्यवाद की आलोचना ... आदिसमाजवाद,दर्शन,अर्थशास्त्र,सोची हुई आर्थिक व्यवस्था,स्व-प्रबंधित अर्थव्यवस्था,अराजकतावादी साम्यवाद,राज्य द्वारा निर्देशित अर्थव्यवस्था,बाजार का समाजवाद,सुधार बनाम क्रांति,लोकतांत्रिक समाजवाद,लोकतांत्रिक समाजवाद,धार्मिक समाजवाद सामाजिक लोकतंत्र, श्रमिक संघवाद,साम्यवाद बनाम समाजवाद,समाजवाद की आलोचना,पूंजीवाद,पूंजीवाद के प्रकार,वणिकवाद,मुक्त-बाजार पूंजीवाद,सामाजिक-बाजार अर्थव्यवस्था,राज्य का पूंजीवाद,कॉर्पोरेट पूंजीवाद, मिश्रित अर्थव्यवस्था,पूंजीवाद के बाद, सांप्रदायिकता तकनीक (नौकरशाही तकनीक),टेक्नोकैपिटलिज्म, वित्त पूंजीवाद या वित्तीय पूंजीवाद,धनिक तन्त्र,क्रोनी पूंजीवाद, कल्याण पूंजीवाद, पूंजी का अधिकार,उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद के प्रकार,अमेरिका में उपनिवेश, अफ्रीका में उपनिवेश, एशिया में उपनिवेश,चीन में औपनिवेशीकरण,यूएस ने नई ओपन डोर पॉलिसी, एक्सट्राटेरिटोरियलिटी दी,बॉक्सर विद्रोह, 1900,साम्राज्यवाद का काला पक्ष,उपनिवेशवाद,द अटलांटिक चार्टर (14 अगस्त, 1941 को जारी),आर्थिक कारक,अमेरिकी क्रांति (1754-1781),क्रांति के कारण,टाउनशेंड अधिनियम और बोस्टन नरसंहार,बोस्टन चाय पार्टी,असहनीय और क्यूबेक अधिनियम,पहले महाद्वीपीय कांग्रेस और बहिष्कार,सामंजस्य, और दूसरी महाद्वीपीय कांग्रेस,क्रांति के प्रभाव,क्रांतिकारी युद्ध,फ्रांसीसी क्रांति,बास्टील का

UNIQUE IAS STUDY CIRCLE

तूफान,शाही परिवार पेरिस छोड़ने की कोशिश करता है,विधान सभा (1791-1792),राष्ट्रीय सम्मेलन (1792-1795),लुई XVI का निष्पादन,द जैकोबिन्स सीज़ पॉवर,थर्मिडोरियन रिएक्शन,निर्देशिका (1795-1799),नेपोलियन बोनापार्ट,क्रांति के प्रभाव,नवजागरण,पुनर्जागरण के परिणाम,वास्तुकला, मूर्तिकला,"अंग्रेजी क्रांति, शानदार क्रांति के लिए जिम्मेदार कारक,**गौरवशाली क्रांति, .. आदि की घटनाएँ**

अध्याय– 6 CHAPTER 6 - भारतीय समाज की प्रमुख विशेषताएं (Salient features of Indian society)-विविधता, धर्म, भारतीय संस्कृति की धारणाएँ, पारिवारिक संरचना और विवाह,अस्सलाम वालेकुम,समारोह,नाम और भाषा,भोजन,वस्त्र, भाषा और साहित्य,वास्तुकला, खेल और मार्शल आर्ट, भारतीय मार्शल आर्ट, लोकप्रिय मीडिया..सीटीसी

CHAPTER 4 - Post-independence consolidation and reorganization within the country-

अध्याय-7CHAPTER 7 -महिला और महिला संगठन की भूमिका (**Role of Women & Women's Organization)** - महिला और महिला संगठन की भूमिका, जनसंख्या और संबंधित मुद्दे, गरीबी और विकासात्मक मुद्दे, शहरीकरण, उनकी समस्याओं और उनके उपचार,महिला सशक्तिकरण,महिला सशक्तिकरण के स्तंभ,रोजगार और काम – महिलाओं की भागीदारी दर,महिलाओं और राजनीतिक भागीदारी,लिंग - विकास सूचकांक,लिंग - असमानता सूचकांक,महिला एवं बाल कल्याण,उनके कल्याण के लिए संगठन उपलब्ध हैं,महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए वैधानिक कार्य,महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए योजनाएँ,जेंडर बजटिंग,घरेलू हिंसा अधिनियम -2005 से महिलाओं का संरक्षण,धारा 498 A, उत्पीड़न बिल - अधिनियम - 2013,भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराध,जस्टिस उषा मेहरा कमीशन,बलात्कार पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश,न्यायमूर्ति जे.एस. वर्मा पैनल,आपराधिक कानून (संशोधन) विधेयक,नए अपराध,कानून में बदलाव (370), आलोचना, जनसंख्या और संबंधित मुद्दे,जनसांख्यकीय संकर्मण,स्कोप और प्रक्रिया,जाति का समावेश,जनगणना,हाउस लिस्टिंग, जनसंख्या गणना,राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर, भारतीय जनसंख्या में गिरावट (1901-2011),जनसंख्या, साक्षरता, गरीबी और विकास के मुद्दे, बहुआयामी गरीबी सूचकांक,गणना के पीछे तर्क, कारण,गरीबी कम करने के लिए सरकार की कल्याणकारी योजनाएँ,एनडीए सरकार द्वारा शुरू की गई 10 महत्वपूर्ण योजनाएं,एचएफए (सभी योजनाओं के लिए आवास)-2022,योजनाओं की सूची, AMRUT (500 शहरों) और स्मार्ट शहरों योजना (100 शहरों) के बीच अंतर,अटल पेंशन योजना, शहरीकरण: मुद्दे और प्रभाव,भारत में शहरीकरण,शहरीकरण के कारण,शहरीकरण का प्रभाव, भारत में शहरीकरण से संबंधित मुद्दे, शहरी विस्तार, वाहन उत्सर्जन,वनों की कटाई और उच्च जनसंख्या घनत्व,पंजाब और हरियाणा में धान की फसल को जलाना, समाधान,शहरी विकास मंत्रालय (MoUD),जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (JNNURM) -2005-06,रियल एस्टेट प्रबंधन (नियंत्रण और विनियमन) बिल,कर मुक्त नगरपालिका बंधन,कंजेशन चार्ज, हंगर इन इंडिया,GHI (ग्लोबल हंगर इंडेक्स), सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS),जनवितरणप्रणालीमेंरिसावएवंविषमता (भटकाव),केंद्रीय भण्डारण निगम, राष्ट्रीय खाद्य आयोग,अखिल भारतीय लोकतांत्रिक महिला संघ (सहायता),भारतीय बेरोजगार महिला संघ (सीवा),अखिल भारतीय महिला सम्मेलन,भारतीय ग्रामीण महिला संघ,महिला उद्यमियों का परिसंघ,श्री महिला गृह उद्योग लिज्जत पापड़,दुर्गा वाहिनी, महिला विकास और अनुसंधान केंद्र,सम्पदा ग्रामीण महिला संस्थान, आदि.

नोट: - CH -1, CH-2, CH-3, CH-10, CH-11, CH-12 को जीएस कक्षा में शाम 6:00pmबजे से शाम 7:00pm बजेऔर सुबह 8:30 – 11:00 तक कवर किया जाएगा।

UNIQUE IAS STUDY CIRCLE

सामान्य अध्ययन -2(पेपर-III)
GENERAL STUDIES -2 (PAPER-III)

अध्याय-4 CHAPTER 4 -अन्य देशों के साथ भारतीय संवैधानिक योजना की तुलना(Comparison of the Indian constitutional scheme with that of other countries)-संविधान/राज्य का मुखिया,अमेरीका, फ्रांस, ग्रेट ब्रिटेन, जापान,संसदीय प्रणाली, कार्मिक प्रशासन,न्यायिक प्रणाली, ब्रिटिश न्यायपालिका, मुख्य नागरिक अदालत,आपराधिक न्यायालय, स्थानीय स्व सरकार, एलएसजी के प्रकार, कानून का शासन प्रशासनिक कानून से भिन्न होता है..सीटीसी।

अध्याय-15 CHAPTER 15 -शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और ई-गवर्नेंस के पहलू (Aspects of governance, Tranparency, accountability and E-governance)-शासन के महत्वपूर्ण पहलू, पारदर्शिता और जवाबदेही, ई-गवर्नेंस-अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएं, सीमाएं और क्षमता; नागरिक चार्टर्स, पारदर्शिता और जवाबदेही और संस्थागत और अन्य उपाय,शब्द की उत्पत्ति, निजी शासन,वैश्विक शासन, गैर-लाभकारी शासन,कॉरपोरेट गवर्नेंस, प्रोजेक्ट गवर्नेंस,रेगुलेटरी गवर्नेंस, पार्टिसिपेटरी गवर्नेंस,मेटा गवर्नेंस, फेयर गवर्नेंस, गुड गवर्नेंस,गवर्नेंस, ई-गवर्नेंस का मापन,शासन: आईटी ढांचे में, ई-गवर्नेंस: फोकस,ई-गवर्नेंस बनाम ई-गवर्नेंस, ई-गवर्नेंस बाजार,नैसकॉम * (सॉफ्टवेयर और सेवा कंपनियों के राष्ट्रीय संघ),ई-तत्परता, कमियों, आरटीआई, उन्होंने आर.टी.आई. अधिनियम - 2005 (13 अक्टूबर को निष्पादित) की निम्नलिखित विशेषताएं हैं,सिटीजन चार्टर, इन चार्टर्स के फायदे, नागरिक चार्टर से संबंधित समस्याएं,माल और सेवाओं की समयबद्ध डिलीवरी के लिए नागरिकों का अधिकार और उनकी शिकायतों का निवारण विधेयक, 2011..etc

अध्याय-16 CHAPTER 16 -लोकतंत्र में नागरिक सेवाओं की भूमिका(Role of civil services in a democracy)-शासन, संविधान, राजनीति, सामाजिक न्याय और अंतर्राष्ट्रीय संबंध, लोकतंत्र में नागरिक सेवाओं की भूमिका,नौकरशाही, नौकरशाही की परिभाषा,नौकरशाही के प्रकार,नौकरशाही की आलोचना,नौकरशाही, सिविल सेवा, वर्गीकरण में सुधार के तरीके,सिविल सेवा का कार्य, सिविल सेवाओं से संबंधित नई प्रवृत्तियाँ,भारतीय सिविलसेवाओं का विकास,नौकरशाही और विकास,नागरिक सेवाओं से संबंधित संवैधानिक प्रावधान,309 संघ या राज्य की सेवा करने वाले व्यक्तियों की सेवा की भर्ती और शर्तें,310. संघ याराज्य की सेवा करने वाले व्यक्तियों की पदावध, 311. 311. संघ या राज्य के अधीन सिविल हैसियत में नियोजित व्यक्तियों का पदच्युतकिया जाना, पद से हटाया जाना या पंक्ति में अवनत किया जाना,312. अखिल भारतीयसेवाएँ,312Aकुछसेवाओंकेअधिकारियोंकीसेवाकीशर्तोंमेंपरिवर्तनकरनेयाउन्हेंप्रतिसंहृतकरनेकीसंसदकीशक्ति,सामानज्ञ बनाम विशेषज्ञ,विशेषज्ञप्रशासकों के पक्ष मेंनिम्नतर्क/कथनदियेजातेहै,मंत्री लोकसेवक संबध,मंत्री-सिविल सेवक संबंधों पर एआरसी की सिफारिशें, मंत्री-सचिव के साथ संबंधित कुछ मामले।

नोट:- CH-1,CH-2, CH-3, CH-5,CH-7,CH-8,CH-9, CH-10, CH-11, CH-12, CH-13, CH-14, CH-17, CH-18, CH-19, CH-20 को जीएस कक्षा में शाम 4:30pm बजे से शाम 7:00pm बजेओर सुबह 8:30 – 11:00 तक कवर किया जाएगा।

UNIQUE IAS STUDY CIRCLE

UNIQUE IAS STUDY CIRCLE
INDIA'S PREMIER INSTITUTE
AN ISO 9001:2015 CERTIFIED INSTITUTE
B-5, IV FLOOR, PLATIUM PLAZA BHOPAL (M.P), PIN – 462003
PH N0 – 0755- 4055002, MOBILE NO- 9827239801
WEBSITE- www.uniqueias.org

सामान्य अध्ययन -3 (पेपर- IV)
(GENERAL STUDIES -3 (PAPER-IV))

अध्याय-3 CHAPTER 3 -सरकारी बजट (Government Budgeting) -सरकारी बजट,वित्तीय प्रशासन,वित्तीय प्रशासन की प्रणाली,वित्तीय प्रशासन से संबंधित अंग,बजट के सिद्धांत,भारत में बजट,बजट के प्रकार, बजट के चरण,प्रशासन मंत्रालय द्वारा तैयार बजट अनुमान,संसद में बजट,कुछ महत्वपूर्ण अनुदान,बजट का निष्पादन,बजट का लेखा-जोखा,क्षेत्रीय प्रमुख वर्गीकरण,समारोह,और मंत्रियों के कार्यक्रम प्रमुख ... आदि।

अध्याय-10 CHAPTER 10 -निवेश मॉडल (Investment models)-निवेश मॉडल,प्रोजेक्ट फाइनेंस स्कीम और फाइनेंस मॉडल: अंडरस्टैंडिंग मॉडल,भारत से संबंधित विभिन्न मॉडलों के निवेश और योजना में शामिल हैं,निवेश की भावनाओं को प्रभावित करने वाले कारक,विशेष प्रयोजन इकाई,प्रकार,प्रतिभूतिकरण,निवेश,स्थापना,हनन,लेखा मार्गदर्शन,सरकारी निजी कंपनी भागीदारी,भौगोलिक स्थिति के अनुसार,पीपीपी के लिए विवाद समाधान विधेयक,पीपीपी के लिए सरकार प्रोत्साहन,वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) सब्सिडी,पीपीपी के लिए सरकारी वित्तीय सहायता,पीपीपी परियोजना के लिए अनुमोदन प्रक्रिया,राष्ट्रीय पीपीपी क्षमता निर्माण कार्यक्रम,भौगोलिक स्थिति के अनुसार,पीपीपी के लिए सेक्टर-वार, विवाद समाधान विधेयक,लाभ,P.P.P. के नुकसान, बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी),बिल्ड-ओन-ऑपरेट-ट्रांसफर (BOOT),निर्माण–स्वामित्व–परिचालन–हस्तानांतरण,BOO (बिल्ड-ही-ऑपरेट),BLT (बिल्ड-लीज-ट्रांसफर),DBFO (डिजाइन-बिल्ड-फाइनेंस-ऑपरेट),DCMF (डिजाइन-निर्माण-प्रबंधन-वित्त),फ्रेंचाइजिंग,भारत में मताधिकार,टर्नकी ..etc.

अध्याय-16CHAPTER 16 -विकास एवंउग्रवादीगतिविधियों के विस्तार के बीचसंबंध (Linkages between development and spread of extremism) - विकास एवंउग्रवादीगतिविधियों के विस्तार के बीचसंबंध,परिचयविकास एवंउग्रवादीगतिविधियों के विस्तार के बीचसंबंध,नक्सलवाद,सामाजिक स्थिति,नक्सलवादीढाँचा,नक्सलियों की मांग निम्नलिखित हैं,कोबरा बटालियन,वामपंथी उग्रवाद को शांत करने के लिए भारत सरकार के प्रयास,केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती (CAPFs),सुरक्षासंबंधी व्यय (एसआरई) योजना,फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन,विशेष बुनियादी ढाँचे के लिए योजना,इंडिया रिजर्व बटालियन,CIAT स्कूल,केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs) में भर्ती,सिविक एक्शन प्रोग्राम,समर्पण और पुनर्वास नीति,भारत का लाल गलियारा, द उड़ीसा गैप..टीक।

अध्याय-17 CHAPTER 17 -आंतरिकसुरक्षा के समक्ष चुनौति खड़ीकरनेमेंबाहरी एवंअन्दरूनीराज्यों (प्रदेशों) की भूमिकाभारत के आंतरिकसुरक्षा के समक्ष खड़ीचुनौतियां (Role of external state and non-state actors in creating challenges to internal security)-आंतरिकसुरक्षा के समक्ष चुनौति खड़ीकरनेमेंबाहरी एवंअन्दरूनीराज्यों (प्रदेशों) की भूमिकाभारत के आंतरिकसुरक्षा के समक्ष खड़ीचुनौतियां ,साम्प्रदायिकविवाद (कलह)/मौलिकतावाद,राज्य एवंगैर–प्रांतिय कारक (वजहें),NSA (गैर–प्रांतीय/राज्यीय कारक) के विभिन्नप्रकार,भारत के आंतरिकसुरक्षा की चुनौतिया,आतंकवाद, नक्सलवाद और उग्रवाद, साइबर हमले,जालीमुद्रा (नोट),साम्प्रदायिकता, दवाईयों (नशीली) एवंमानव (देह–व्यापार) तस्करी,भारत–पाकसीमा,भारत–नेपालसीमा एवंभारत–भुटानसीमा,भारत–म्यांमारसीमा, समुद्रीमार्ग,वायु (हवाई) मार्ग,मीडिया की भूमिका,सोशल नेटवर्किंग साइटें, ध्यान और जागरूकता प्राप्त करना, एन्क्रिप्शन तरीके,आप-ट्यूब और अन्य वीडियो-साझाकरण साइटें,साइबर सुरक्षा, वैश्विक सहयोग, बढ़ती साइबर सुरक्षा चुनौतियां ... आदि

अध्याय 18 CHAPTER 18-संचारप्रणालियों/श्रृखंलाओं से आंतरिकसुरक्षा कोचुनौतिया(Challenges To Internal Security Through Communication),नेटवर्क,सायबरआक्रमण/हमले, साइबरहमलेमेंनिम्नलिखितपरिणामशामिलहोसकतेहैं,कारण,संचार (विस्तार श्रृखंला) प्रणाली का उपयोग,वित्तीय सहायता,प्रशिक्षण ,कार्य–योजनानिर्माण , कार्य–संम्पन्नप्रक्रिया,सायबरआक्रमण ,आंतरिकसुरक्षा की चुनौतियों मे मीडिया एवंसोशलनेटवर्किंगसाईटस की भूमिका ,परिचय ,मीडिया की भूमिक , मीडियाहेतु (के) स्व–नियंत्रण के सिद्धान्त,सोशल (सामाजिक) नेटवर्किंगसाइट, कोलाबोरेटिवप्रोजेक्ट (सहभागिता परियोजनाएं) उदाहरणार्थ, सोशलमीडिया की ताकत, सोशलमीडिया की विशेषताएं, सोशलमीडियाकीनिगरानीमेंचुनौतियां ,सायबरसुरक्षा के मौलिक (आधारभूत) तथ्य , परिचय, सायबरअपराध, साइबर अपराध में ऐसे ऑनलाइन कार्य शामिल हैं , सायबर–युद्ध, साइबर अटैक में ऑनलाइन गतिविधियों का पालन करना शामिल है ,साइबर युद्ध ,सायबर–आतंकवाद ,सायबरसुरक्षा हेतु यू.एस. का परिदृश्य

UNIQUE IAS STUDY CIRCLE

,सायबरआक्रमण का सैन्य (बल/मिलेट्री) समाधान, बुडापोस्टवार्ता,सामान्य (सार्वलौकिक) सुरक्षा लक्ष्य ,सायबरसुरक्षा मेंभारत का अनुभव ,Issue Of Internet Governance/ Democratisation Of Internet Governance , सायबरअपराध संधि की जरूरत/आवश्यकता ,सायबर–सुरक्षा में शासन (सरकार) की भूमिका ,स्टक्सनेट: ईरानी परमाणु संयंत्रों के खिलाफ साइबर युद्ध ,बारम्बारउपयोग (प्रयोग) मेंआनेवालेकुछपारिभाषिक शब्द , निष्कर्ष, भारत में निगरानी , नेशनल इंटेलिजेंस ग्रिड या एन ए टी जीआरआईडी , केंद्रीय निगरानी प्रणाली , एनईटीआरए (एनईईआरटीवर्क ट्रॉफिक विश्लेषण) ,राष्ट्रीय महत्वपूर्ण सूचना इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन सेंटर ,**राष्ट्रीय साइबर समन्वय केंद्र** ,संकट प्रबंधन योजना ,हवाला (मुद्रा का अनैतिक हस्तान्तरण) कारोबार एवंउसकीरोकथाम ,परिचय ,हवाला (कारोबार) कोआघात , हवाला–व्यापार की प्रक्रिया,हवालाकारोबार की रोकथाम ,हवाला (कारोबार) रोकथामअधिनियम, 2002 , प्रावधान,Adjudicating Authority ,अपीलीयन्यायाधिकरण ,सबूतकेबोझ ,विशेषन्यायालय ,एफआईयू-आईएनडी , अन्तर्राष्ट्रीय संगठन/संस्थाए एवंवार्ताए (संवाद) संयुक्तराष्ट्र–संघ की वार्ताएं (संवाद) एवंसंकल्प, एगमॉन्टसमूह/दल, FATF, ऐशियापेसिफिकग्रुप/समूह,संयुक्तराष्ट्र संघकार्यालय (नशीली दवाईयां एवंअपराध) ,संयुक्तराष्ट्र वार्ताएं , यूरोपियन यूनियन/संघ(EU) संलेख (instruments) /वार्ताएं , इंटरनेशनल ऐसोसिएशनफॉरइन्श्यूरेन्ससुपरवाईजरस(IAIS) बीमापर्यवेक्षकोंहेतुअन्तर्राष्ट्रीय संघ ,बेजलसमिति, वोल्फ्सबर्गसमूह,वोल्फ्सबर्गसिद्धान्त ,हवाला (कारोबार) के उदाहरण , 2016 के पनामा पेपर्स कांड.

अध्याय 19 CHAPTER 19- सीमा क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियां और उनका प्रबंधन; के साथ संगठित अपराध के संबंध**(Security challenges and their management in border areas; linkages of organized crime with Terrorism)**-परिचय , सीमा क्षेत्रोंमेंसुरक्षा की चुनौतियां, सीमाक्षेत्र मेंप्रबंधन, एकीकृतजाँचचौकियों की स्थापना , भारत–बांग्लादेशसीमा , भारत–पाकिस्तानसीमा , भारत–नेपालसीमा, भारत–भूटानसीमा, भारत–चीनसीमा, भारत–म्यांमारसीमा, सीमा क्षेत्र विकासकार्यक्रम, भारतीय भू–पत्तनप्राधिकरण, तटीय सुरक्षा, वर्तमानतटीय सुरक्षा व्यवस्था, सागर प्रहरी बाल, संयुक्ततटीय सुरक्षा अभ्यास,संगठितअपराध का आतंकवाद से संबंध, भूमिका, संगठितअपराध, परा–राष्ट्रीय संगठितअपराध, परा–राष्ट्रीय संगठितअपराधों का प्रादुर्भाव, सायबरअपराध, पहचान–संबंधीअपराध,सांस्कृतिकसम्पत्तिमेंअवैध व्यापार, पर्यावरणीय अपराध प्रतिलिप्याधिकारउल्लंघन, मानव–शरीर के अंगों का अवैध–व्यापार, संगठितअपराध तथाआंतकवाद, सहअस्तित्व, सहयोग ,सम्मिलन, आतंकवादतथासंगठितअपराध मेंभेद, संगठितअपराध सांतत्यक, सहबन्ध ,अपराधिकसंगठनतथाआतंकवाद, अभिसरण , कालकोठरी संलक्षण, भारतमेंसंगठितअपराध तथाआंतकवाद के मध्य जुड़ाव, उत्तर–पूर्वभारत, कश्मीर, परा–राष्ट्रीय संगठितअपराध के विरूद्ध सयुंक्तराष्ट्र संघ समझौतातथाविज्ञप्तियां

अध्याय -20CHAPTER 20 -केंद्रीय और राज्य अभिकरणों की कानून व्यवस्था प्रबंधन में भूमिका(Various Security forces and agencies and their mandate)-कानून और व्यवस्था प्रशासन, कानून और व्यवस्था के रखरखाव में केंद्रीय और राज्य एजेंसियों की भूमिका,केन्द्रीय सशस्त्र पुलिसबल,सीमासुरक्षा बल,केन्द्रीय औद्योगिकसुरक्षाबल,केन्द्रीय रिजर्वपुलिस बल, भारत–तिब्बतसीमापुलिस,राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड,रेलवेसुरक्षा बल,विशेषसुरक्षा दल,सशस्त्र सीमा बल / सशस्त्र सीमा बल,केन्द्रीय अन्वेषणतथागुप्तवार्तासंस्थाएं,केन्द्रीय अन्वेषणब्यूरो,आलोचना,भ्रष्टाचार,राजनीतिक हस्तक्षेप,बोफोर्सघोटाला,भोपालगैसत्रासदी,2 जीस्पेक्ट्रमघोटाला,भारतीयकोयलाआवंटनघोटाला,स्वराज्य,संवैधानिकस्थिति,राष्ट्रीय अन्वेषणअभिकरण,जालसाजी,नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो,पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (BPR & D),राष्ट्रीय न्यायिकविज्ञानसंस्थान,केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला,राष्ट्रीय न्यायिकविज्ञानसंस्थान,अनुसंधान और विश्लेषण विंग(RAW याR & AW),अवर्गीकृतRAW संचालनसंचालन मुस्कुराते हुए बुद्ध ने किया,खालिस्तान आंदोलन, संचालन कहूता,संचालन मेघदूत ने किया,संचालन चाणक्य ने किया, ऑपरेशन कैक्टस, इंटेलिजेंस ब्यूरो के साथ ऑपरेशन छीन,आलोचना,राष्ट्रीय पुलिसआयोग,प्रथमप्रतिवेदनः पुलिस के विरूद्ध शिकायतों का निराकरण,द्वितीय प्रतिवेदनः आपराधिकन्याय आयोग की नियुक्ति,तृतीय प्रतिवेदनः पुलिसतथाआर्थिक रूप से कमजोरवर्ग,पांचवाप्रतिवेदनः पुलिस बल मेंभरती की जाना,छठाप्रतिवेदन : अधिकारियों की पदोन्नति के संबंध मेंआयोजित की जानेवालीपरीक्षा,सातवांप्रतिवेदन : पुलिसथानों के संबंध मेंमानदण्ड,आठवांप्रतिवेदनः पुलिस का उत्तरदायित्व या जवाबदेही,एक आदर्शपुलिसअधिनियमकोअधिसूचितकरना,राज्यों में पुलिस प्रशासन, पुलिस महानिदेशालय, पुलिस महानिदेशक,यातायातपुलिस,महानगरीय पुलिसव्यवस्था,विशेषसशस्त्र बल, मुठभेड़ दल,आतंकवाद विरोधी दस्ते,द इंडियन होम गार्ड,ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल,प्रशासन व राजनीति का अपराधीकरण,राजनीति के अपराधीकरण का कारण,क्रियात्मकस्वायत्ता की पृष्ठभूमि,पुलिस सुधार,एससी निर्देशों को मोटे तौर पर दो श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है,कार्यात्मक स्वायत्तता पृष्ठभूमि,राज्य सुरक्षा आयोग,पुलिस महानिदेशक (DGP),अन्य पुलिस अधिकारियों के लिए न्यूनतम कार्यकाल,पुलिस स्थापना बोर्ड,राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग,जवाबदेही,पुलिस शिकायत प्राधिकरण, सामुदायिक पुलिस,आपराधिक न्याय प्रणाली,पुलिस कमिश्नर प्रणाली

UNIQUE IAS STUDY CIRCLE

ध्यान दें:- अध्याय -3 (सरकारी बजट),अध्याय -10 (निवेश मॉडल), अध्याय 16 (अतिवाद के विकास और प्रसार के बीच संबंध)&अध्याय -17 (आंतरिक सुरक्षा को चुनौती देने में बाहरी राज्य और गैर-राज्य अभिनेताओं की भूमिका)सामान्य अध्ययन -2 पेपर- III के बाद कवर किया जाएगा

नोट: - CH -1, CH -2, CH -4, CH -5, CH -6, CH -7, CH -8, CH -9, CH -11, CH -12, CH -13, CH -14 , CH -15, जीएस की कक्षा में शाम 4:30 बजे से शाम 7:00 बजेओर सुबह 8:00 – 10:00 तक कवर किया जाएगा

सामान्य अध्ययन - 4 (पेपर-V)
GENERAL STUDIES - 4 (PAPER-V)

अध्याय 4CHAPTER 4 -भावनात्मक खुफिया-अवधारणाएं, और प्रशासन और शासन में उनकी उपयोगिताओं और आवेदन (Emotional intelligence-concepts, and their utilities and applicationin administration and governance)- इस पेपर में उम्मीदवारों के रवैये और सत्यनिष्ठा से संबंधित मुद्दों के दृष्टिकोण का परीक्षण करने के लिए प्रश्न शामिल होंगे, सार्वजनिक जीवन में समस्या और समाज के साथ व्यवहार में उनके सामने विभिन्न मुद्दों और संघर्षों को सुलझाने में उनकी समस्या।प्रश्न इन पहलुओं को निर्धारित करने के लिए केस स्टडी दृष्टिकोण का उपयोग कर सकते हैं. निम्नलिखित व्यापकताओं को कवर किया जाएगा.इमोशनल इंटेलिजेंस, इमोशनल इंटेलिजेंस के लक्षण,अनुकंपा, कैसे सुधारें अपनी भावनात्मक बुद्धिमत्ता?,ई क्यू, नेतृत्व शैली, और संगठनात्मक प्रभावशीलता,एक भावनात्मक रूप से बुद्धिमान लोक प्रशासन,नौकरशाही में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का महत्व,जेंडर इमोशनल इंटेलिजेंस और इमोशनल लेबर में खेलता है,भावनात्मक बुद्धिमत्ता, निष्कर्ष और निहितार्थ, .. आदि के आलोचक।

अध्याय- 5 CHAPTER 5 -भारत एवंविश्व के नैतिकविचारकों एवंदार्शनिकों का योगदान(Contributions of moral thinkers and philosophers from India and world) -महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन से सबक,स्वामीविवेकानन्द,देशवासियोंमेंजागरूकताउत्पन्नकरना,आध्यात्मिकविचार,हिंदू धर्म में योगदान, विवेकानंद के प्रसिद्ध कथन,रामकृष्ण परमहंस,श्री अरबिंदो, एक दिव्य जीवन,राजाराममोहनराय,धार्मिकसुधार,सामाजिकसुधार,शिक्षा,पत्रकारिता, धार्मिक कैथोलिक,दयानन्दसरस्वती,बुनियादी सिद्धांत, व्यावहारिक सुधारक,अश्लीलता का विरोध, नारायण गुरु,आज्ञाओं,नारायण गुरु ने आचरण की निम्नलिखित दस आज्ञाएँ दीं,सहिष्णुता और कैथोलिक, सर रवींद्रनाथ टैगोर, सामाजिक सुधार,आधुनिकता, शिक्षा, सांप्रदायिक सद्भाव, कौटिल्य,राजनीतिक शासन व्यवस्था,राजनीतिक शासन व्यवस्था,गुरु रविदास, अद्वैत ब्राह्मण या अन्तर्यामी भगवान,डॉ. राममनोहर लोहिया (23मार्च, 1910- 12अक्टूबर, 1967),लोहिया के दृश्य पूंजीवाद पर, अबुल कलाम मुहीउद्दीन अहमद आज़ाद (भारत रत्न),भीमराव रामजी अंबेडकर (भारत रत्न),सर्वपल्ली राधाकृष्णन (भारत रत्न),धर्मों का वर्गीकरण, महात्मा गांधी,पंडित दीनदयाल उपाध्याय (25 सितंबर 1916 - 11फरवरी 1968),महावीर, गौतम बुद्ध,चार महान सत्य, गुरु नानक, कबीर,तुलसीदास, पश्चिमी नैतिक विचारक,सुकरात, प्लेटो, परिचय, प्लेटो के तत्वमीमांसा,आइडिया ऑफ गुड,हेदोनिज्म का सिद्धांत, सिद्धांत का सिद्धांत, प्लेटो का गणतंत्र,प्लेटोनिक विचारों की आलोचना,सुकरात और प्लेटो, अरस्तू के बीच अंतर,जीवनिक रेखाचित्र,दृष्टिकोण, समनम बोनम,खुशी, गुण, नैतिक गुणों की अवधारणा,गोल्डन मीन और सामान्य गुण,मैग्नीसियस इंडिविजुअल, जस्टिस, फ्रीडम ऑफ विल,राजनीति और राज्य, अरस्तू के विचारों की आलोचना,एपिकुरेवाद,खुशी के लिए बाधाएं, खुशी,खेती की शांति, एपिक्यूरिज्म का मूल्यांकन,स्टोकिस्म, फिलोसोफिकल अंडरपिनिंग्स,स्टिक एथिक - कारण, भावनाएँ,तर्क, सुख,उपयोगितावाद, उपयोगितावाद, अहंकार और परोपकार,मूर के विचार,मापने की खुशी, उपयोगितावाद की अस्वीकार्यता,अधिनियम उपयोगितावाद और

UNIQUE IAS STUDY CIRCLE

नियम उपयोगितावाद,पूर्वानुमानों का पूर्वानुमान,नैतिक जिम्मेदारी,समतावादी न्याय, कांतिवाद,श्रेणीबद्ध इम्पीरेटिव, ऑस्टरे मोरैलिटी,बीसवीं शताब्दी के नैतिक विचारक,जीई मूर,सर डेविड रॉस,ए.जे. अयेर, सी। एल। स्टीवेन्सन, आर.एम. हरे .. आदि।

नोट:- इस अध्याय के प्रश्नों को आम तौर पर सामान्यीकृत किया जाता है जैसे कि आपने क्या सबक सीखा है?, आप सार्वजनिक जीवन में मूलधन कैसे लागू कर सकते हैं? और वर्तमान संदर्भ में ओग और विचारकों को पढ़ाने की प्रासंगिकता, इसलिए पाठ्यक्रम के अनुसार कवर किया जाएगा।

अध्याय-6 CHAPTER 6 -सार्वजनिक/नागरिकसेवामूल्य तथालोकप्रशासनमेंआचार–शास्त्र की भूमिका(Public/Civil service values and Ethics in Public administration)- स्थिति और समस्याएं; सरकारी और निजी संस्थानों में नैतिक चिंताओं और दुविधाओं;कानून, नियम, नियम और विवेकनैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में;जवाबदेही और नैतिक शासन; शासन में नैतिक और नैतिक मूल्यों को मजबूत करना;अंतरराष्ट्रीय संबंधों और वित्त पोषण में नैतिक मुद्दे;निगम से संबंधित शासन प्रणाली, निजी संस्थानों / व्यापार में नैतिकता,व्यापार नैतिकता का वैश्वीकरण,निगमितआचार–शास्त्र मेंराष्ट्रीय तथाअन्तर्राष्ट्रीय क्रियाविधियां,अन्तर्राष्ट्रीय विधिकसंरचना,संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट के 10सिद्धांत,सिविलसोसायटी की भूमिका, निगमों का समाज के प्रतिनैतिकउत्तरदायित्व,भारत में कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी का विकास,भारत में सीएसआर विकास के चार चरण,कानून,भारतीय परिदृश्य,निगमित घोटाला,सत्यम,भोपालगैसआपदा,सिविल सेवा सक्रियता..etc.

अध्याय-7 CHAPTER-7 -सत्यनिष्ठातथासुशासन(Probity in Governance): लोक सेवा की अवधारणा,शासन और संभावना का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, आचार संहिता, आचरण के नियम,सिटीजन चार्टर्स, कार्य संस्कृति, सेवा वितरण की गुणवत्ता, सार्वजनिक निधियों का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियां,शासन और प्रोबिटी,सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार का खतरा,सार्वजनिक जीवन के सात सिद्धांत (SAIL HOO),प्रोबेलिटी के सिद्धांत (-MACT),शासन में प्रोबिटी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपाय,भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988-एक नया कानून आवश्यक है,सार्वजनिक कार्यालय में संतुष्टि - एक उपाय, परिभाषा और कानून के प्रासंगिक नियम,व्हिसल ब्लोअर्स प्रोटेक्शन बिल, 2011-अधिनियम 2014 ,सूचना का अधिकार अधिनियम आरटीआई (सूचना का अधिकार) की स्वतंत्रता,सिविल सेवा आयोग बोर्ड,लोक सेवा गारंटी अधिनियम प्रदान करता है,लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत प्रक्रिया, माल और सेवाओं की समयबद्ध डिलीवरी के लिए नागरिकों का अधिकार और उनकी शिकायतों का निवारण विधेयक, 2011- (व्यपगत), सार्वजनिक खरीद विधेयक, 2012 (व्यपगत),नकद सब्सिडी हस्तांतरण,आचार संहिता,अनुशासनात्मक कार्रवाई के चरण,आचार संहिता,सिटीजन चार्टर,नागरिक चार्टर से संबंधित समस्याएं, फ्यूचर विजन: चार्टर मार्क का विकास,कार्य संस्कृति,कार्य संस्कृति का महत्व, कार्य संस्कृति में सुधार,संगठन की कार्य संस्कृति का आधार,लोक सेवा की अवधारणा,नौकरशाही,नौकरशाही की परिभाषाएँ / दृश्य,नौकरशाही के प्रकार,नौकरशाही में सुधार के तरीके,नागरिक सेवाएं,वर्गीकरण,सिविल सेवा का कार्य,सिविल सेवाओं से संबंधित नए रुझान,शासन, सुशासन,नैतिक शासन,भ्रष्टाचार पर कौटिल्य, कौटिल्य,मंडल सिद्धांत, मौर्य प्रशासन,राज्यों के कार्य,राजस्व के प्रकार,मुगलों के दौरान प्रशासन,राजस्व प्रशासन,जमींदार और जागीरदार के बीच अंतर,मुगलों के दौरान प्रशासन,ब्रिटिश प्रशासन,शैक्षिक सुधार,भारत में ब्रिटिश प्रशासन,आजादी से पहले प्रशासनिक सुधार (भारतीय प्रशासन की उत्पत्ति),ऐचिसन कमीशन 1886: सिफारिशें,सार्वजनिक धन का समुचित उपयोग,परिचय, सार्वजनिक वित्त प्रबंधन में सुधार के तत्व,शून्य आधारित बजट, बजटीय प्रक्रिया में कमजोरियां,भ्रष्टाचार की चुनौतियां,प्रशासनिक भ्रष्टाचार,भ्रष्टाचार का कारण,भ्रष्टाचार को कम करने के सुझाव,नागरिक शिकायतों के निवारण के लिए मशीनरी,जनता की शिकायतों के प्रकार,नागरिक शिकायतों के लिए प्रशासनिक मशीनरी,भ्रष्टाचार का वर्गीकरण..सीटीसी।

अध्याय 8 CHAPTER 8 -उपरोक्त मुद्दों पर केस स्टडी (Case study on the above issues)-इस पेपर में उम्मीदवारों के रवैये और सत्यनिष्ठा से संबंधित मुद्दों के दृष्टिकोण का परीक्षण करने के लिए प्रश्न शामिल होंगे,सार्वजनिक जीवन में समस्या और समाज के

UNIQUE IAS STUDY CIRCLE

साथ व्यवहार में उनके सामने विभिन्न मुद्दों और संघर्षों को सुलझाने में उनकी समस्या।प्रश्न इन पहलुओं को निर्धारित करने के लिए केस स्टडी दृष्टिकोण का उपयोग कर सकते हैं। निम्नलिखित व्यापक क्षेत्रों को कवर किया जाएगा।

अध्याय-1 CHAPTER 1 -आचार शास्त्र(Ethics, Integrity, and Aptitude) –इस पेपर में उम्मीदवारों के रवैये और सत्यनिष्ठा से संबंधित मुद्दों के दृष्टिकोण का परीक्षण करने के लिए प्रश्न शामिलFFF होंगे,सार्वजनिक जीवन में समस्या और समाज के साथ व्यवहार में उनके सामने विभिन्न मुद्दों और संघर्षों कोa सुलझाने में उनकी समस्या।प्रश्न इन पहलुओं को निर्धारित करने के लिए केस स्टडी दृष्टिकोण का उपयोग कर सकते हैं। निम्नलिखित व्यापक क्षेत्रों को कवर किया जाएगा।नैतिकता और मानव इंटरफ़ेस: सार, मानव कार्यों में नैतिकता के निर्धारक और परिणाम;नैतिकता के आयाम;निजी और सार्वजनिक संबंधों में नैतिकता. मानव मूल्य - महान नेताओं के जीवन और शिक्षाओं से सबक, सुधारक और प्रशासक; परिवार की भूमिका, मूल्यों को विकसित करने में समाज और शैक्षणिक संस्थान.आचार विचार,मानों में भेद,नैतिकता और नैतिकता,वर्णनात्मक नैतिकता,ऐतिहासिक नैतिक सिद्धांत, सदाचार नैतिकता,सुकरात (469 ईसा पूर्व - 399 ईसा पूर्व),अरस्तू (384 ईसा पूर्व - 323 ईसा पूर्व),वैराग्य,हेडोनिज्म, साइरेनिक हेडोनिज़्म,एपिकुरिज्म, राज्य परिणामवाद,आधुनिक आदर्शवादी नैतिकता,परिणामवाद,यूटिलिटेरियनवाद, डोनटोलॉजी,इमैनुअल कांट, व्यावहारिक नैतिकता,भूमिका नैतिकता, नैतिक / अनैतिक, बायोएथिक्स,जियोइथिक्स, बिजनेस एथिक्स,रिलेशनल एथिक्स, मशीन एथिक्स,सैन्य नैतिकता,राजनीतिक नैतिकता, सार्वजनिक क्षेत्र की नैतिकता,विकासवादी नैतिकता, लोक सेवा मूल्य और नैतिकता (शासन में मूल्य),लोक सेवा मूल्य, लोकतांत्रिक मूल्य,व्यावसायिक मूल्य, नैतिक मूल्य, लोग मूल्य, परिवार की भूमिका, मूल्यों को विकसित करने में समाज और शैक्षणिक संस्थान।वैलयूई एजुकेशन: अतीत और वर्तमान, मानवीय मूल्य और परिवार..आदि.

अध्याय 2CHAPTER 2 –मनोवृत्ति(Attitude) –मनोवृत्ति,मनोवृत्तियों का मापन,मनोवृत्ति संरचना, मनोवृत्ति कार्य करना,**मनोवृत्ति की संरचना,मनोवृत्तिमेंपरिवर्तन,लक्ष्य विशिष्टताएं,स्त्रोतविशिष्टताए,सन्देशविशिष्टता,संज्ञानात्मकमार्ग, मनोभावऔरमनोवृत्तिमेंपरिवर्तन,मनोवृत्ति–व्यवहारसंबंध**, परिचय... । आदि.

अध्याय 3 CHAPTER 3 -सिविल सेवा के लिए योग्यता और मूलभूत मूल्य (Aptitude and foundational values for Civil Service) - अखंडता, निष्पक्षता और पक्षपात रहित, निष्पक्षतावाद, जनता की सेवा के लिए समर्पण, सहानुभूति, कमजोर वर्गों के प्रति सहिष्णुता और करुणा,अभियोग्यताभूमिका,संयुक्त योग्यता और ज्ञान परीक्षण,आचार संहिता,निष्पक्षता और गैर पक्षपातपूर्ण,राजनीति और चुनाव में हिस्सा लेना,भारत सरकार के निर्णय,निष्पक्षतावाद,सहानुभूति,कमजोर वर्गों के प्रति सहिष्णुता और करुणा,सहानुभूति, सहानुभूति और करुणा के बीच अंतर,कमजोर वर्गों के प्रति सहिष्णुता और करुणा .. आदि।

ध्यान दें:- अध्याय -1 (आचार शास्त्र),अध्याय -2 (मनोवृत्ति)&अध्याय 3 (सिविल सेवा के लिए योग्यता और मूलभूत मूल्य)सामान्य अध्ययन -3 पेपर- IVके बाद कवर किया जाएगा

नोट :- लगभग 40 केस स्टडी होंगे, जिनमें से महत्वपूर्ण केस स्टडी पर चर्चा की जाएगी।

टेस्ट की अनुसूची - सामान्य अध्ययन -4 (पेपर-वी) पर परीक्षण अध्यायवार होंगे।प्रत्येक चैप्टर से एक टेस्ट होगा और अगर चैप्टर बड़ा है तो 3-4 टेस्ट होंगे

नोट: - अभ्यर्थी का अभिप्राय यह है कि अभ्यर्थी समय के अनुसार छात्रों के सहयोग से परिवर्तन की प्रबलता और कुछ अंशों को बदल सकता है।

UNIQUE IAS STUDY CIRCLE

UNIQUE IAS STUDY CIRCLE